तुमसे बिछड़ के हमने साहेबी तुमारी जानी
आ कर हमें जगाया है तेरी मेहरबानी

1--साहेबी तुमारी क्या है हम जानते नही थे
तुम कितने मेहरबां हो पहचानते नही थे
माया से है निकाला होती है अब हैरानी

2--जी भर गया जहां से अब धाम ले के जाओ
पर्दानशीन अब अपना पर्दा जरा हटाओ
मिलकर कभी ना बिछुड़े करो अब वहां रवानी

3--बख्शो खता हमारी अंगना है जब तुम्हारी
नजरे कर्म अब कर दो फिरती है मारी मारी
तुम धाम के धनी हो निसबत है अब पहचानी

Nijanand App